CLASS-VI
SUBJECT: Sanskrit
FORMATIVE ASSESSMENT 2
पाठ – 5,6,7,8,9

प्र01. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें –

क. क्रिया शब्दों के साथ सम्बन्ध जोड़ने वाले शब्द ..... होते है।
ख. जब दो व्यंजनो को मिलाकर एक कर दिया जाए तो ..... कहलाता है।
ग. सम्प्रदान कारक की विभक्ति ..... चिह्न ..... है।
घ. कर्म कारक का चिह्न ..... है।
ड. सम्बन्ध कारक को विभक्ति ..... चिह्न ..... है।
च. से/के द्वारा के लिए ..... विभक्ति होती है।
छ. अपादान कारक व करण कारक में क्या भेद है।

प्र02. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें –

विभक्ति	कारक	चिह्न
प्रथमा	————	ने
————	कर्म	————
तृतीया	————	से द्वारा
————	सम्प्रदान	————
पंचमी	————	से अलग होना
————	सम्बन्ध	————
सप्तमी	————	हे, अरे, भो

प्र03. स्त्रीलिंग शब्दों से रिक्त स्थान भरें – (सा, ते, ताः)

क. ..... पिबति। ख. ..... खेलतः । ग. ..... नमन्ति।
घ. ..... पठतः । ड. ..... गायति। च. ..... हसन्ति।

प्र04. शुध्द करके लिखे –

क. राधिका खेलतः ख. छात्राः गच्छति ग. अजे चरति।
घ. गजः चलत : ड. अश्वौ धवन्ति च. रमा पठतः।

प्र05. उचित क्रियापद भकर लिखें –

क. सः ..... (पठ्)। ख. त्वम् ..... (लिख्)। ग. अहम् ..... (हस्)।
घ. तौ ..... (खेल्)। ड. यूयम् ..... (नम्)। च. ते ..... (चर्)।
छ. युवाम् ..... (क्रीड्)। ज. वयम् ..... (चल्)। झ. आवाम् ..... (चल्)।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र06. कर्त्ता शब्दों को उचित क्रिया से मिलाकर लिखें –

क	ख
सः	पठामः
तौ	क्रीडथः
ते	खेलसि
त्वम्	गच्छति
युवाम्	हसतः
यूयम्	पठथ
अहम्	नमावः
आवाम्	हसामि
वयम्	गच्छन्ति

प्र07. सही उत्तर पर (√) चिह्न लगाएँ।

कारक	चिह्न
सम्प्रदान	ने ( )
करण	से द्वारा ( )
अपादान	को ( )
कर्त्ता	को, के लिए ( )
सम्बन्ध	का, की, के,रा री रे ( )
सम्बोधन	हे, अरे, भो ( )
कर्म	को ( )
अधिकरण	से अलग होना ( )

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in